aus Erakâ-*Gras* Âpast. Gṛhj. 12,3.

एरण्ड I. 5.

एरण्ड I. f. आ *eine best. Zauberformel* Divjâvad. 105,3.

एरावतक I. 1.

एरावत् 3.

ऐरेय I. 3.

ऐर्यापथिकी 2.

ऐवमर्घ्य und ऐशि 3.

ऐश्वरकारणिक 5.

ऐषावीर I. vgl. स्वैषावीर.

*ऐकिपश्यिक Adj. *zur Selbstüberzeugung auffordernd* Mahâvj. 63.

ऐकिलौकिक (fehlerhaft) 2.

ओगणँ I. 2.

ओघ I. *der vierfache Strom der weltlicheu Neigungen* Divjâvad. 95, 13. *ओघोत्तीर्ण Adj. *diesem entronnen* Mahâvj. 19.

ओघी und ओघोपकरण 5.

ओंकारचतुर्थ Adj. (f. आ) *die Silbe* ओम् *als Viertes habend* Âpast. Gṛhj. 8,10. 15,4.

ओंकारवाद 2.

ओज I. 2) *a*) Divjâvad. 105,7.

ओजस्कार Adj. *Kraft* u. s. w. *bewirkend* Maitr. S. 4,7,3 (96,11).

*ओजाप्रत्याहारिणी f. N. pr. einer Tantra-Gottheit Mahâvj. 197. Richtig wohl ओजप्र° oder ओजःप्र°.

ओडिगल्ल 4.

ओतु I. 2) Subhâshitâv. 683.

ओदनपँचन I. Maitr. S. 1,10,17 (157,16).

ओदनपिण्ड m. *Reiskloss* Âpast. Gṛhj. 19,7. 20,7.

ओदनप्रति 6.

ओदनभोजिका 3.

ओघ्न् I. auch *Nass, Feuchtigkeit, Regen* Çâṅkh. Br. 4,14.

ओषधिवनस्पतिमत्त् 6.

ओषधिकेाम und ओषधीवल्लभ 5.

ओषधीश I. Dharmaçarmâbhj. 16,11.

ओषधीश्वर m. *der Mond* Dharmaçarmâbhj. 5,65.

ओष्ठरुचक und ओष्ठरुचिर 5.

ओतक I. 5.

ओच्चैःअवसँ und ओजस I. 3.

औत्कल्य 5.

औत्तरपत्त्र 2.

औत्तरपदिक I. 6.

औदरिकशरीर 3.

औदर्चिष 5.

औदार Adj. *gross, deutlich wahrnehmbar* Divjâvad. 207,5.

औदारिक I. Adj. *grob materiell.* Nom. abstr. °ता f. Mahâvj. 85.

औडुम्बरि° = °री Kâtj. Çr. 8, 6,23.

औद्गात्रप्रयोग 2.

औद्दालकि I. 3.

औद्देशिक I. 2.

औद्धत्य I. *ausgelassene Heiterkeit, Muthwille* Gâtakam. 28.

औद्धव 2. 1) 8,14,5 und 2) 6 zu lesen). 3.

औद्धवमय 2.

औद्भिद I. 3.

औनीत m. *eine Krankheit am penis des Pferdes* Açvav. 51,4.

औन्निद्य 3.

औपकारिक Adj. (f. ई) *wohlthätig, nützlich, förderlich* Daçak. (1883) 160,14.

औपकार्य I. n. auch *eine vorbereitende Handlung, Nebenhandlung* Âpast. Gṛhj. 21,11.

औपचायिक 6. *=औपचारिक Mahâvj. 245,684.

औपधिक I. Adj. *wohl bedingt Mahâvj. 93. n. das Nachdenken Divjâvad. 542,17. fg.

*औपनायिक Adj. Mahâvj. 63. Vgl. Pâli ओपनयिक.

औपमन्यविन् 3.

औपयिक I. = उपाय Kir. 2,35.

औपवाह्य (als Beiw. eines Elephanten Gâtakam. 9) und औपवेशि I. 3.

औपासनमन्त्र 2.

औपेन्द्र 5.

औमापत 2.

औरभ्रिक I. *Schlächter von Schafen* Mahâvj. 186. Kâraṇḍavj. 94,22.

औलुण्ड I. 5.

औलूखलँ I. 4.

औषधप्रयोग 2.

औष्ट्रक I. 5.

औष्ट्रीन 3.

औष्ण n. *Hitze* Çaṁkara zum Vedânta 95,16.

औसज्ञ 3.

1. क mit चिट् und चन II. Bemerkenswerth ist die Verbindung न ते क-श्चिद्दशरथस्त्वं च तस्य न कश्चन so v. a. *du und* Daçaratha *haben Nichts mit einander zu thun* R. 2,108,10.

कंस II. 5.

कंसकृष् 3.

ककुच *eine best. Frucht* Kauç. 48, 32. v. l. ककुच.

ककुँद्मत् II. 3.

ककुद्मिकन्या 3.

ककुभ II. 3.

ककुँभ्वत् 3.

ककुम्मुख 5.

कक्कल und कक्काल II. 2.

कक्किएड 5.

कक्रुच s. oben ककुच.

कक्काल s. u. कक्कल.

कञ्चिमालिकोपनिषद् 2.

कञ्चीवत् II. 6.

2. कट्य II. 5.

कट्यमाला 2.

कङ्क II. 6.

कङ्कण II. 3. *Wassertropfen* Dharmaçarmâbhj. 8,26. 13,63.

कङ्कणधर 3.

कङ्कपृष्ठिन् und °पृष्ठी II. 2.

कङ्कमय 2.

कङ्कवाजित 5.

कङ्कालक II. Dharmaçarm. 8,23.

कच II. 6.

कचग्रह m. *das Packen bei den Haaren* MBh. 5,155,5.

कचङ्गल II. f. आ N. pr. einer Stadt Gâtakam. 19,21.

कचवर, कचार, कचोलक und कच्छपारावत 5.

कच्चुकोपानद्दिन् 2.

कट् II. 6.

2. कँट् 2.

कट II. 5.

कटक्काटिति 2.

कटदान 6.

कटप्र 2.

कटाक्षपात 3.

कटाक्षय्, °यति *mit einem Seitenblick ansehen* (uneig.) Pârv. 589,32.

कटाग्नि II. 6.

कटाभ 2.

कठाक्क II. *Pfanne* Divjâvad. 404,28.

कटिदान 6.